दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 112 सितम्बर-अक्टूबर, 2016 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

Launch of
MOBILE APP FOR SENIOR CITIZENS
by
SHRI NAJEEB JUNG
Hon'able Lt. Governor, Delhi
1st October, 2016



वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्रतिबद्धता है।



नारी शक्ति है जहाँ – उन्नति, सम्मान व गौरव है वहाँ

(दीपावली मेले में महिला सशक्तिकरण की गरिमामयी उपस्थिति)

सिपाही कम से कम सहायक उप-निरीक्षक (स्पेशल ग्रेड) के पद से सेवानिवृत्त होगा

-आलोक कुमार वर्मा



सर्वप्रथम, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ कि पिछले दिनों आपने दिल्ली में सम्पन्न हुई छोटी–बड़ी हजारों रामलीलाओं के मंचन के दौरान एवं ईद, दशहरा व दीपावली जैसे पावन पर्वो पर दिल्ली में बेहतरीन सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। सभी जिला/यूनिटों के संयुक्त प्रयासों से दिल्लीवासियों ने आपके भरोसे अपने सभी पर्वों को पूरे हर्षोल्लास और शांतिपूर्वक मनाया।

मैं चाहूंगा कि आप बिना किसी संकोच व पक्षपात के कानून सम्मत तरीके से पुलिस कार्यशैली को अंजाम दें। समाज में अच्छी कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध एवं अपराधियों पर अकुंश लगाना और पीड़ितों की मदद करना हर पुलिसकर्मी की डयूटी ही नहीं बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। अपने कर्तव्य पालन के दौरान हर पुलिसकर्मी को अपने विवेक, निष्पक्षता और ईमानदारी का शत प्रतिशत प्रदर्शन देना चाहिए। क्योंकि हर शिकायतकर्ता या पीड़ित हमें विश्वास व उम्मीद भरी निगाहों से देखता है और आशा करता है कि यहाँ उनकी समस्या का समाधान जरूर निकलेगा। इसीलिए हमें व्यक्तिगत कुंठा, लोभ व द्वेष से उपर उठकर शिकायतकर्ता या पीड़ित की हरसंभव मदद करनी चाहिए।

पिछले दिनों मैंने दिल्ली पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया था कि पुलिसकर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को तेज कर उनका मनोबल बढ़ाने उनके साहसिक व उल्लेखनीय कार्यो की प्रशंसा कर उन्हें बारी से पहले तरक्की व प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाए। इसी का परिणाम था कि विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 51 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को ज्यादा से ज्यादा पदोन्नति देने की संभावनाओं पर काम किया गया जिसमें 2249 सिपाहियों को प्रधान सिपाही, 870 प्रधान सिपाहियों को सहायक उप–निरीक्षक, 1455 सहायक उप–निरीक्षकों को उप–निरीक्षक, 52 उप–निरीक्षकों को निरीक्षक तथा 52 निरीक्षकों को सहायक आयुक्त पुलिस के पद पर पदोन्नति मिली है, यानि कुल 4678 कर्मियों को उनके अगले पदों पर पदोन्नत किया गया है। इसके सार्थक और प्रशंसनीय परिणाम सामने आये और पुलिसकर्मियों में उत्साह व जोश का संचार हुआ।

इन रोजमर्रा की पदोन्नतियों के बाद पुलिस प्रशासन ने लगभग 20 हजार सिपाहियों और प्रधान सिपाहियों को स्पेशल ग्रेड प्रदान किया गया है। जिसके तहत हर 1 जनवरी को 15 वर्ष का सेवाकाल पूरा करने और पहली एमएसीपी प्राप्त करने वाला सिपाही स्पेशल ग्रेड प्राप्त प्रधान सिपाही का बैज लगाने का अधिकारी होगा। इन स्पेशल ग्रेड के तहत 9927 कार्यकारी सिपाही, 205 महिला कार्यकारी सिपाही और 286 तकनीकी कर्मियों को अगले पद देने का प्रावधान किया गया। इसी तरह 9926 कार्यकारी प्रधान सिपाहियों और 128 महिला प्रधान सिपाहियों को स्पेशल ग्रेड देकर अगला पद देने का प्रावधान किया गया है। यानि ऐसी व्यवस्था की गई है कि हर 1 जनवरी को सेवाकाल के 25 वर्ष पूरी करने और दूसरी एमएसीपी प्राप्त करने वाला प्रधान सिपाही स्पेशल ग्रेड प्राप्त कर सहायक उप–निरीक्षक का बैज़ लगाने का अधिकारी होगा। दिल्ली पुलिस के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब निचले स्तर के पुलिसकर्मियों को इतनी भारी संख्या में अगला पद पाकर लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही लगभग 7 हजार से ज्यादा पदोन्नति की प्रक्रिया पाईपलाइन में है। इस विशेष ग्रेड की व्यवस्था से यह सुनिश्चित हो गया है कि 15 साल एवं 25 साल की वरीयता तथा पहला एवं दूसरा एमएसीपी प्राप्त करने वाला सिपाही व प्रधान सिपाही क्रमशः अगले पद के लिए पूर्व निर्धारित समय पर बैज़ लगाने का अधिकारी हो गये हैं। इससे उनकी सामाजिक एवं मानसिक स्थित पर काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। मैंने स्वयं अपने दीपावली पर्व पर सभी पुलिसकर्मियों को भेजे संदेश में कहा था कि उपराज्यपाल महोदय से प्रारूप को मंजूरी मिल गई है। विशेष ग्रेड के तहत अगले पदों पर गए पुलिसकर्मियों के कामकाज में रचनात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पुलिस एक ऐसा विभाग है जिस पर हमेशा समाज की पैनी नज़र रहती है और उसकी हर गतिविधि का हर समय आंकलन किया जाता है। मैं तो यहाँ तक कहना चाहूंगा कि हमारे उठने–बैठने व खान–पान तक पर लोगों की नज़र होती है नागरिक हमें एक आदर्श के रूप में देखते हैं। मैं मानता हूँ कि हमें एक तरफ जहाँ आम जनता के साथ सदैव मददगार, विनम्र व सभ्य पुलिसकर्मी की भूमिका निभानी होती है वही दूसरी तरफ असामाजिक व आपराधिक तत्वों के खिलाफ कठोर व आक्रामक रवैया अपनाना होता है। इन्हीं दोहरी परिस्थितियों में एक सच्चे पुलिसकर्मी की परीक्षा होती है।

21 अक्टूबर, 2016 को शहीदी दिवस के अवसर पर हम सबने अपने शहीद साथियों का स्मरण किया। इस वर्ष अब तक हमारे 17 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देकर देश व समाज में दिल्ली पुलिस का नाम रोशन किया है। हमें अपने ऐसे साथियों की शहादत पर गर्व है। मैं अपने सभी अधीनस्थ साथियों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि ऐसी दुःख की घडी में पुलिस प्रशासन सदैव उनके साथ है। चाहे वह अनुकम्पा के आधार पर नौकरी की बात हो, बीमा योजना की रकम की अदायगी हो, पेंशन, वेतन या अन्य कानून सम्मत जो भी मदद होगी या फिर परिस्थितिवश अन्य किसी विशेष मदद की घोषणा करनी होगी, पुलिस प्रशासन सदैव अपने जाबांज एवं कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के लिए हितकारी कदम उठाता रहेगा।

दिल्ली में निरतंर बढ़ती आबादी व वाहनों की संख्या के अलावा साइबर अपराधों और अपराधियों द्वारा आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर अपराधों को अंजाम देने के प्रवृति से हमें और ज्यादा चौकन्ना रहने के साथ–साथ खुफिया तंत्र को मजबूत करने व पड़ोसी राज्यों की पुलिस से बेहतर तालमेल स्थापित करने की जरूरत है। हालांकि दिल्ली पुलिस पहले से ही काफी सतर्क और चौकन्नी है। दिल्ली में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के प्रति हमें और ज्यादा संवदेनशील और सक्रिय होने की जरूरत है। आजकल दिल्ली में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर प्रायः हमले की वारदात देखने सुनने को मिलती हैं। हमें इस संबंध में भी सावधानी बरतते हुए अपने कर्तव्य को अंजाम देना होगा।

दिल्ली की बदलती भौगालिक स्थिति में कानून–व्यवस्था को सुचारू ओर मजबूत बनाने के लिए शाहदरा व रोहिणी दो नए जिलों और कुछ नई सब–डिविजनों का सृजन किया गया है। पिछले दिनों रोहिणी सैक्टर–11 में एक बहुमंजिला हाउसिंग कॉम्पलैक्स, आईजीआई एयरपोर्ट मैट्रो पुलिस स्टेशन की नई बिल्डिंग, डाबड़ी थाने व गोकुल पुरी थाने की नई बिल्डिंग के उद्घाटन के साथ–साथ दिल्ली के 5 अतिमहत्वपूर्ण स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पीसीआर वैन तैनात की गई हैं। इन महिला पीसीआर वैनों की विशेषता यह है कि इन वैनों पर चालक, गनमैन व सहायक सभी महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही पिछले कुछ महीनों में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को ससम्मान सेवानिवृत्ति विदाई दी गई।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने 15 व 16 अक्टूबर, 2016 को पुलिस मैदान किंग्ज़वे कैम्प में एक भव्य और शानदार दीपावाली मेले का आयोजन किया जिसमें हजारों पुलिसकर्मियों ने अपने परिजनों सहित भाग लिया और मेले में सम्पन्न हुई विभिन्न सांस्कृतिक, देशभक्ति, और मनोरंजक गतिविधियों का आनंद उठाया। मुझे खुशी है कि इस दो दिवसीय दीपावली मेले को लगभग 28 हजार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने अपने परिजनों के साथ देखा और विभिन्न गतिविधियों का आनंद उठाया।

मैं, सभी पुलिसकर्मियों को स्वच्छता के प्रति सचेत रहने का आह्वान करता हूँ। सभी पुलिसकर्मी चाहे वह कार्यालय में तैनात हो, पुलिस कॉलोनियों में रहता हो या फिर अन्य पुलिस परिसरों, लाइनों आदि में तैनात हों साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि पिछले दिनों दिल्ली में बुखार व चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का काफी प्रकोप रहा। ऐसी बीमारियों से हमारे अधिकारी एवं जवान भी अछूते नहीं रहे। इसीलिए किसी भी जगह पर पानी एकत्रित न होने दे और स्वच्छता के लिए न केवल स्वयं आगे आएँ बल्कि इससे जुड़ी अन्य एजेंसियों की भी मदद लें।

दिल्ली पुलिस में दो नए जिलों का सजृन होने से जिलों की संख्या बढ़कर 13 हुई

मजबूत कानून–व्यवस्था की दृष्टि से दिल्ली पुलिस की भौगोलिक स्थिति में बदलाव करते हुए 2 नए जिलों एवं 7 सब–डिविजनों का सजृन किया गया है। दिल्ली की निरंतर बढ़ती जनसंख्या, अविकसित कॉलोनियों में बढ़ता जनसंख्या घनत्व एवं फ्री रजिस्ट्रेशन को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। वर्तमान में दिल्ली में 6 परिक्षेत्र, 13 जिले, 51 सब–डिविज़न तथा 190 पुलिस स्टेशन की संरचना की मदद से दिल्ली की कानून–व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा।

नये सृजित रोहिणी जिला में शामिल पुलिस स्टेशन एवं सब–डिविजन के नाम : थाना बवाना, शाहबाद डेयरी व बेगम पुर (बवाना सब–डिविज़न), थाना नरेला व अलीपुर (अलीपुर सब–डिविज़न), थाना समुयपुर बादली, के.एन.काटूज मार्ग व प्रशांत विहार (समयपुर बादली सब–डिविजन) तथा थाना विजय विहार, रोहिणी उत्तरी व रोहिणी दक्षिणी (रोहिणी सब–डिविज़न) शामिल हैं।

नये सृजित शाहदरा जिला में शामिल पुलिस स्टेशन एवं सब–डिविजन के नाम : थाना विवेक विहार व आनंद विहार (विवेक विहार सब–डिविजन), थाना गांधी नगर, गीता कॉलोनी व कृष्णा नगर (गांधी नगर सब–डिविजन), थाना फर्श बाजार, शाहदरा व सीमापुरी (सब–डिविजन शाहदरा), थाना मनासरोवर पार्क तथा थाना जी.टी.बी. नगर (सीमापुरी सब–डिविजन)।

पुनः सृजित बाहरी जिला में शामिल पुलिस स्टेशन एवं सब–डिविजन के नामः मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी व अमन विहार (सुल्तानपुरी सब–डिविजिन), थाना कंझावला व मुंडका (मुंडका सब–डिविजन), थाना निहाल विहार, मियॉवाली नगर व पश्चिम विहार (पश्चिम विहार सब–डिविजन), थाना नांगलोई एवं रनहौला (नांगलोई सब–डिविजन) थाना नजफगढ़ व बाबा हरिदास नगर (नजफगढ़ सब–डिविजन)।

6 परिक्षेत्रों में शामिल जिलेः– पूर्वी परिक्षेत्रः पूर्वी जिला व उत्तर–पूर्वी जिला। दक्षिण–पूर्वी परिक्षेत्रः दक्षिणी जिला व दक्षिण–पश्चिमी जिला। दक्षिण–पश्चिमी परिक्षेत्र दक्षिण–पश्चिमी जिला, पश्चिमी जिला व नया बाहरी जिला। उत्तरी परिक्षेत्रः उतर–पश्चिमी जिला व नया सृजित रोहिणी जिला। मध्य परिक्षेत्रः मध्य जिला एवं उत्तरी जिला। नई दिल्ली परिक्षेत्रः नई दिल्ली जिला , रेलवे व मैट्रो।

7 नई सब–डिविजनों का सृजनः मायापुरी (पश्चिमी जिला), छावला (दक्षिण–पश्चिमी जिला), मुंडका व पश्चिम विहार (नया बाहरी जिला), नंद नगरी (उत्तर–पूर्वी जिला), मयूर विहार (पूर्वी जिला) तथा बाराखंभा रोड (नई दिल्ली जिला)।

2 सब–डिविजन को समाप्त किया गयाः विकास पुरी (पश्चिमी जिला) तथा प्रशांत विहार (आउटर जिले से हटाकर रोहिणी जिले में रोहिणी सब–डिविजन के नाम से)।

वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस की शानदार पहल

अन्तर्राष्ट्रीय दिवस पर उपराज्यपाल द्वारा वरिष्ठ नागरिक मोबाइल एप का उद्घाटन



1 अक्टूबर, 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा में Senior Citizen Mobile App की शुरूआत की है। समारोह के **मुख्य अतिथि महामहिम उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** ने रायसीना रोड स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में इस एप का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री आलोक कुमार वर्मा पुलिस आयुक्त, दिल्ली, श्री अमूल्य पटनायक (वि.पु.आ. प्रशासन), श्री एस.बी. के.सिंह (वि.पु.आ. कानून व्यवस्था उत्तरी), श्री पी. कामराज (वि.पु.आ. कानून–व्यवस्था दक्षिणी) श्री ताज हसन (वि.पु.आ. अपराध) के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे। इसके साथ ही मोबाइल एप को क्रियान्वित कराने में अहम भूमिका निभाने वाले श्री रवीन्द्र यादव (सं.पु.आ. अपराध),श्री के.के.व्यास (अति.आ.पु. अपराध) श्री राजन भगत (उपा.पु. पीआरओ/सीआरओ) व वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के कर्मी भी उपस्थित थे। पुलिस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग के आगमन पर पुलिस आयुक्त आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने गुलदस्ता भेंट कर उनका इस्तकबाल किया।

मुख्य अतिथि माननीय उपराज्यपाल महोदय ने Senior Citizen Mobile App की प्रशंसा करते हुए दिल्ली पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि निःसंदेह यह App हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए संकट के समय काफी कारगर साबित होगा। उनमें आत्मविश्वास जागृत होगा। समारोह में आए वरिष्ठ नागरिकों का अभिनंदन करते हुए महामहिम ने कहा कि दिल्ली पुलिस की इस नई शुरूआत से वरिष्ठ नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास भी उत्पन्न होगा। उन्होंने कहा कि जब भी किसी वरिष्ठ नागरिक के साथ किसी अप्रिय घटना की जानकारी मिलती है तो निःसंदेह मन को चोट पहुंचती है क्योंकि उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को कुछ न कुछ अच्छा देने में गुजार दिया है। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा केवल हमारी ड्यूटी ही नहीं बल्कि हमारा नैतिक दायित्व भी है। हमारे वरिष्ठ नागरिक अनुभवों का भंडार होते हैं हमें उनका सानिध्य प्राप्त करना चाहिए और उनके अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सेवी संस्थाओं से भी आग्रह किया कि वे वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण कार्यो से जुड़े व पुलिस के इस कदम में अपना भी हाथ बंटायें। समस्याओं के निवारण में सम्पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने कहा कि हमारे सीनियर सिटीजन्स समाज की प्रगति में अहम भूमिका निभा सकते हैं, बेशक हमें उन्हें बोझ न समझें, उनका तिरस्कार न करें बल्कि उन्हें सम्मान दें, उनकी बातों को धैर्य से सुने व उनके अनुभवों का अनुसरण करें। माननीय श्री नज़ीब जंग साहब ने इस बात के लिए दिल्ली पुलिस की प्रशंसा की कि उन्होंने आज International Day of Older Persons के खास मौके पर इस एप की शुरूआत की है।

श्री आलोक कुमार वर्मा पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि महामहिम उपराज्यपाल का अभिनंदन करते हुए समारोह में गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। पुलिस आयुक्त महोदय ने भी समारोह में आए वरिष्ठ नागरिकों का अभिनंदन किया और बताया कि सीनियर सिटीजनस की सुरक्षा मेरी शुरू से ही प्राथमिकता रही है। पुलिस आयुक्त का पद संभालने के बाद में डियर पार्क में वरिष्ठ नागरिकों की फेडरेशन के सदस्यों के साथ मिला और उनके सुझाव लिये। उन्हीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने–अपने इलाके में रहने वाले सीनियर सिटीजन्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों से थानों के बाहर निरंतर बैठके आयोजित करें, उनकी बातें सुने और उनकी समस्याओं का समाधान निकाले। इसके अलावा इलाके में रहने वाले पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों से उनके निवास पर भी मिलें। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस सभी Registered Senior Citizens को पहचान पत्र जारी करती है और उनके निवास स्थान का सुरक्षा आकलन भी करती है। सुरक्षा आकलन के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के साथ रहने वाले घरेलू सहायकों, चालकों, चौकीदारों, या उनके सम्पर्क में रहने वाले अन्य नागरिकों के बारे में जानकारी हासिल की जाती है और उनका Verification भी किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों की





विभिन्न समस्याओं व उनकी सुरक्षा के उपायों पर चर्चा व समीक्षा के लिए Police Station, District एवं Police Headquarter Level पर Advisory Bodies For Senior Citizens बनाई गई है जिनकी हर महीने थाना स्तर पर तीन महीने में जिला स्तर पर व हर छः महीने में पुलिस मुख्यालय स्तर पर बैठकें आयोजित की जाती है।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की रक्षा व सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों की कड़ी में एक नया कदम Senior Citizen Mobile App के Launch के रूप में उठाया जा रहा है। इस App के माध्यम से वरिष्ठ नागरिक घर बैठे अपने आप को दिल्ली पुलिस के साथ Register कर सकते हैं। इस App का मुख्य आकर्षण Registered Senior Citizens के लिए SOS बटन की सुविधा है। जिसको दबाने पर Central Police Control Room में काम कर रही Senior Citizens Helpline नं0 1291 पर Alert आ जाएगा और उससे Senior Citizen की लोकेशन का भी पता चल जाएगा। जिस पर Central Police Control Room उस वरिष्ठ नागरिक को तुरंत सम्पर्क कर तत्पर सहायता भेजने की कार्यवाही कर सकेंगी। इस Alert की जानकारी SMS द्वारा Area SHO और Beat Officer को भी साथ ही साथ मिल जाएगी।

समारोह के मेजबान श्री आलोक कुमार वर्मा ने कहा कि पंजीकृत वरिष्ठ नागरिक इस App की मदद से अपने Beat Officer के बारे में जैसे नाम, फोन नं. आदि की जानकारी हासिल कर सकते हैं। Beat Officer द्वारा उनके पास की गई Last Visit की जानकारी भी हासिल कर सकते हैं। इस App के माध्यम से Beat Officer के पास उसकी बीट क्षेत्र में रहने वाले Registered Senior Citizens की Details रहेगी। वह उनके निवास पर Visit के दौरान उनका फोटो लेकर उसे App पर upload कर सकेगा जिससे यह पता लगेगा कि बीट ऑफिसर ने किस दिन किस वरिष्ठ नागरिक को Visit किया है। इसके अलावा SHO अपने थाने के एरिया में रहने वाले Registered Senior Citizens के पास बीट ऑफिसर द्वारा की जा रही Visits को Check कर सकते हैं और नए वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण भी कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इस App के शुरू होने से दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले हमारे वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष पुलिस सत्यापन जांच अभियान



1 अक्टूबर, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के मौके पर विशेष शाखा ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए पासपोर्ट, चरित्र प्रमाण पत्र, पुलिस निर्बाधन आदि के लिए एक विशेष पुलिस जांच अभियान चलाया। इस अभियान में 562 वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न प्रकार की पुलिस सत्यापन की जांच कर उन्हें राहत पहुंचायी। पुलिस टीमों ने सदैव की भांति शिष्टतापूर्वक एवं पारस्परिक व्यवहार के द्वारा अपने दायित्व को पूरा किया और वरिष्ठ नागरिकों की सराहना व आर्शीवाद प्राप्त किया। चित्र में विशेष शाखा के निरीक्षक फुरकान खान एक वरिष्ठ दम्पति से उसका कुशलक्षेम पूछते हुए।

वृद्ध दिवस पर उत्तरी परिक्षेत्र द्वारा बुजुर्गों के लिए 'आशीर्वाद' कार्यक्रम आयोजित



उत्तर–पश्चिमी जिला व बाहरी जिला पुलिस ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के मौके पर केशव महाविद्यालय कॉंफ्रेंस हॉल में 'आशीर्वाद' नाम से कार्यक्रम आयोजित किया। श्री संजय सिंह संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) की देखरेख मे आयोजित इस कार्यक्रम में गैर सरकारी संगठन चौबीसों घंटे सातों दिन केयर फांउडेशन ने भी अपना सहयोग दिया। इस मौके पर श्री एस.बी.के. सिंह विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी परिक्षेत्र) मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में बुजुर्गों के लिए **'गुड़गुड़ाहट के दो पल'** नाम से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध कवि पदमश्री श्री सुरेन्द्र शर्मा व श्री युसुफ भारद्वाज, श्री अर्जुन जेमिनी, व मनीष मधुकर जैसे जाने–माने कवि अपने हास्य व्यंग्यों और कविताओं से उपस्थिति बुजर्गों के चेहरों पर खिलखिलाहट लाने में सफल रहे। इस मौके पर एक लघु नाटक **'कबाड़ या वरदान'** का मंचन भी किया गया। कार्यक्रम में श्री मिलिंद दुंबरे उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला तथा श्री एम.एन.तिवारी उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला व श्री पंकज कुमार सिंह अति.उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला व भारी संख्या में पुलिस अधिकारी व जवान उपस्थित थे। आशीर्वाद नामक इस कार्यक्रम में 238 वरिष्ठ नागरिकों ने हर्ष व जोश के साथ हिस्सा लिया। इस मौके पर श्री एस.बी.के.सिंह (वि.पु.आ. कानून व्यवस्था उत्तरी) ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली पुलिस वरिष्ठ नागरिकों के लिए कानूनी व अन्य सभी पहलुओं से मदद करने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू किया गया सीनियर सिटीजन मोबाइल एप वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा में एक कारगर कदम साबित होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एसीपी अनिल कुमार ने भी अहम भूमिका निभाई।



झाड़ौदा कलां स्थित प्रशिक्षण कॉलेज में पासिंग आउट परेड आयोजित
मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने परेड की सलामी ली

14 अक्टूबर, 2016 को झाड़ौदा कलां स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में प्रशिक्षु कांस्टेबलों (दिल्ली पुलिस व दिल्ली जेल) की संयुक्त पासिंग आउट परेड सम्पन्न हुई। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने मुख्य अतिथि के तौर पर परेड की सलामी ली और प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया। इस मौके पर श्री किशन कुमार वि.पु.आ. (प्रशिक्षण), श्री अजय कुमार कश्यप वि.पु.आ. (पीएडंएल), श्री सुधीर सिंह यादव (महानिदेशक जेल), प्रिंसिपल श्री भैरों सिंह गुज्जर के अलावा भारी संख्या में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान, प्रशिक्षणार्थियों के परिजन व मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कर्तव्य पालन के दौरान आम जनता के प्रति आपका व्यवहार पूर्णतया निष्पक्ष, पारदर्शी, ईमानदारी और समर्पण भाव से ओत–प्रोत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल अपराध की प्रवृत्ति बदल रही है और अधिकांश अपराधी नई तकनीक अपना रहे हैं। इसीलिए आप सबको भी नई तकनीक से अपडेट रहना होगा। जिससे आप आने वाली हर चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर सकें। ये चुनौतियाँ चाहे आतंकवाद के खिलाफ हों, महिलाओं की सुरक्षा के रूप में हों, साइबर क्राइम हो या फिर कोई अन्य कानूनी प्रक्रिया हो। उन्होंने कहा कि आपको प्रशिक्षण के दौरान लैंगिक संवेदनशीलता, महिला–बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा, अनुशासन व जनता के साथ अच्छे व्यवहार के बारे में बारीकी से सिखाया गया है। उसका ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यपालन में अनुसरण करें।





इस पासिंग आउट परेड में शामिल दिल्ली पुलिस के 261 प्रशिक्षु कांस्टेबल जिनमें 27 महिला कांस्टेबल व 15 कांस्टेबल (ड्राईवर) शामिल थे। विभिन्नता में एकता के प्रतीक इस बैच में 72 प्रशिक्षु हरियाणा, 67 दिल्ली, 62 उत्तर प्रदेश, 52 राजस्थान, 2 बिहार,1 उतराखंड, 2 झारखंड जबकि 1 केरल से हैं। इन प्रशिक्षुओं में 12 एम.ए, 5 बी.टेक, 123 ग्रेजुएट तथा 121 बाहरवीं कक्षा पास शामिल हैं। इसके अलावा इस बैच के साथ ही 173 जेल वार्डन जिनमें 147 पुरूष जेल वार्डन और 26 महिला जेल वार्डन शामिल हैं, ने भी अपना प्रशिक्षण समाप्त कर इस मौके पर शपथ ग्रहण की। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को पेशेवर निपुणता, अनुशासन और अच्छे व्यवहार के साथ–साथ पी.टी.परेड, अनआर्म्ड कॉम्बैट व कमांडों का कठोर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को योग और तनाव प्रबंधन का भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। शानदार परेड के बाद मुख्य **अतिथि श्री आलोक कुमार वर्मा** ने दिल्ली पुलिस के कां. बाबू लाल (चालक) व कां0 नेहा को सर्वश्रेष्ठ पुरूष व महिला प्रशिक्षु और दिल्ली जेल के वार्डन सतेन्द्र को सर्वश्रेष्ठ वार्डन की ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।



डाबड़ी थाने की नई बिल्डिंग का पुलिस आयुक्त द्वारा उद्घाटन



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने 14 सितम्बर, 2016 को डाबड़ी थाने की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), श्री एस. बी.के.सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था दक्षिण), श्री दीपेन्द्र पाठक, संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण–पश्चिमी परिक्षेत्र), श्री सुरेन्द्र कुमार उपायुक्त पुलिस (दक्षिण–पश्चिमी जिला) एवं भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। राइट्स लिमिटेड द्वारा लगभग 10 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित डाबडी थाने की यह नई बिल्डिंग बहुत आकर्षक एवं भव्य है। निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर पुलिस आयुक्त ने निर्माण कंपनी से जुड़े अधिकारियों की प्रशंसा की। शिल्पकला व बनावट की दृष्टि से सर्वोत्तम इंजीनियरिंग द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण के दौरान सभी सुविधाओं का समावेश किया गया है। जिसमें भूतल पर थानाध्यक्ष, अति. थानाध्यक्ष, कर्तव्य अधिकारी, आगुतंक कक्ष, महिला सहायता डेस्क, संक्रमण कक्ष व जांच अधिकारियों के लिए कक्ष तथा आग बुझाने के यंत्र, दूषित पानी को शोधित करके पुनः प्रयोग करने तथा 31 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गये हैं। नई बिल्डिंग में सभा कक्ष, मनोरंजन कक्षा, भोजनालय तथा बैरिक आदि का भी विशेष प्रबंध किया गया है। इसके साथ ही नए भवन में वाई–फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वच्छ एवं अच्छे माहौल में काम करने की प्रबल इच्छा उत्पन्न होती है। पुलिसकर्मियों को ड्यूटी स्थल पर रहने–सहने की अच्छी सुविधाएँ मिलने से न केवल पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि इलाके के नागरिकों की सेवा करने पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।


डाबड़ी थाने की नई बिल्डिंग

फोटो : रोज़र

गोकुलपुरी थाने की नई बिल्डिंग का पुलिस आयुक्त द्वारा लोकार्पण



27 अक्टूबर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने गोकुलपुरी थाने की नई बिल्डिंग का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी एवं दक्षिणी परिक्षेत्र) श्री एस.बी.के.सिंह एवं श्री पी.कामराज, विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर) श्री एस.वासुदेव राव, संयुक्त पुलिस आयुक्त (योजना एवं क्रियान्वन) श्री ए.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र) श्री सतीश गोलचा, उपायुक्त पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला डॉ0 ए.के. सिंगला, उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री ऋषिपाल के अलावा काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं दोनों जिलों के पुलिसकर्मी उपस्थित थे। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस का सदैव यही प्रयास रहता है कि स्थानीय लोगों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करे और अपराधियों के बीच कानून का भय कायम रहे।



उन्होंने कहा कि नई बिल्डिंग में मिले अच्छे माहौल में पुलिसकर्मी और ज्यादा उत्साह के साथ काम करेंगे। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों के बीच आपसी तालमेल व सहयोग का संबंध होना चाहिए। उन्हें परस्पर मिल–जुल कर रहना चाहिए ताकि लोगों की समस्याओं का निराकरण करने में आसानी हो। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि अभी हाल ही में अस्तित्व में आये शाहदरा व रोहिणी जिला में शीघ्र ही कामकाज शुरू हो जाएगा। इन दोनों जिलों के शुरू होने से क्षेत्र में सुरक्षा–व्यवस्था और ज्यादा मजबूत होगी। 14.72 करोड़ रुपये लागत की कीमत से लगभग 3 हजार स्केयर मीटर जमीन में बनी थाने की बिल्डिंग और आवासीय परिसर में हर सुविधा का ध्यान रखा गया है।

(महिला सशक्तिकरण की दिशा में दिल्ली पुलिस का एक और सार्थक कदम)

पुलिस आयुक्त द्वारा महिला पुलिसकर्मी द्वारा संचालित पीसीआर वैनों को हरी झंडी

पांचों पीसीआर वैनों पर महिला ड्राइवर, वैन प्रभारी व गनमैन तैनात



9 सितम्बर, 2016 को **श्री आलोक कुमार वर्मा पुलिस आयुक्त, दिल्ली** ने पुलिस मुख्यालय से 5 महिला पीसीआर वैन्स् को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर **श्री अमूल्य पटनायक, वि.पु.आ. (प्रशासन), श्री ए.के.सिंह (वि.पु.आ. सामान्य प्रशासन), श्री एस.बी.के.सिंह (वि.पु.आ. कानून–व्यवस्था उत्तरी), श्री पी.कामराज (वि.पु.आ. कानून– व्यवस्था दक्षिणी), श्री ताज हसन विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री संजय बेनीवाल (वि.पु.आ. परिचालन), श्री ओ.पी. मिश्रा (अति. आ.पु. परिचालन), श्री राजीव रंजन उपायुक्त पुलिस (मुख्यालय)** तथा **श्री जी.एस. अवाना उपायुक्त पुलिस (संचार)** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात होने वाली इन पांचों पीसीआर वैनों में वैन प्रभारी, चालक, गनमैन सभी महिला पुलिसकर्मी है। पिछले दिनों मॉडल टाउन स्थित पीसीआर प्रशिक्षण स्कूल में 160 महिला पुलिसकर्मियों को कड़ी ट्रैनिंग दी गई थी। जिसमें 2 घंटे की ड्राइविंग क्लास के 60 पीरियड विशेष तौर पर पूरे कराये गये थे। प्रशिक्षण के दौरान ही पीसीआर वैन पर तैनात होने वाली महिला पुलिसकर्मियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें विशेषतौर पर 9 एमएम पिस्टल का अभ्यास शामिल है। इन **महिला पीसीआर वैनों** को फिलहाल **विज्ञान भवन, मैरी एंड जीसस एंड मैरी कॉलेज, खान मार्केट, मोतीलाल नेहरू मार्ग व के.जी. मार्ग** जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा ताकि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएँ/छात्राएँ निःसंकोच व बेझिझक होकर अपनी समस्या महिला पुलिसकर्मियों के साथ साझा कर सके।





उत्तरी परिक्षेत्र में पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों छात्र संगठनों के लिए विशेष बैठक का आयोजन



29 सितम्बर, 2016 को उत्तर–पश्चिमी जिला पुलिस ने उत्तरी परिक्षेत्र में रहने वाले नागरिकों, छात्र/छात्राओं एवं उनके संगठनों के साथ आपसी रिश्ते मजबूत करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री संजय सिंह संयुक्त पुलिस आयुक्त उत्तरी परिक्षेत्र के नेतृत्व में थाना मुखर्जी नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर–पश्चिमी जिला व बाहरी जिला में रहने वाले पूर्वोत्तर राज्यों के छात्र संगठनों और आसपास रहने वाले नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर श्री संजय सिंह ने बैठक में उपस्थित छात्र/छात्राओं और और उनके संगठनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस पूर्वोत्तर राज्य के किसी भी नागरिक, छात्र या छात्रा के साथ कोई भी अप्रिय वारदात घटित होने पर पुलिस तत्काल मामला दर्ज उचित कार्यवाही करती है और पीड़ित की कांउसिलिंग कराती है। मैं केवल अपने परिक्षेत्र की ही बात नहीं कर रहा, मैं मानना है कि सम्पूर्ण दिल्ली पुलिस पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों छात्र/छात्राओं की सुरक्षा के प्रति काफी संवदेनशील है और उनकी गरिमा व सुरक्षा के लिए समय समय पर आवश्यक कदम उठाती रहती है। पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों और छात्र/छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत करने उन्हें अपनापन महसूस कराने और दिल्ली में वे स्वयं को असुरक्षित न समझे, समय समय पर कार्यशालाओं का भी आयोजन करती है।

दिल्ली पुलिस द्वारा उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय बैठक आयोजित



25 अक्टूबर, 2016 को पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** की अध्यक्षता में उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अलावा **श्री जी.पी. शर्मा** (डीजीपी.यूपी), **श्री एम.ए. गणपति** (एडीजीपी उत्तराखंड), **श्री संजय कुमार** (डीजीपी हिमाचल प्रदेश), **श्री दिनकर गुप्ता** (एडीजीपी प्रशासन पंजाब), **श्री संदीप सलोंक** (आईजी प्रशासन बी.एस.एफ), **श्री राजेन्द्र पाल सिंह** (डीडीजी एनसीबी, नई दिल्ली), **श्री वी.के.सिंह** (एडीजीपी, जे.एंडके) **सुश्री शिखा गोयल** (आईपीएस सीआईएसएफ), **श्री राजीव रंजन सहाय** (आईजी एपीएस सीआईएसफ), **श्री निलोफर किशोर** (आईजी पंजाब), **श्री अनीश दयाल सिंह** (एडीजी एसआईबी दिल्ली), **श्री दीपेश जुनेजा** (आईजी आईटीपीबी), **श्री दीपक कुमार** (आईजी एसएसबी), **श्री पीयुष पांडेय** (आईजी एसपीजी), **श्री संदीप मित्तल** (डायरेक्टर एनआईसीएफएस), **डॉ. एस.आर.सिंह** (सीनियर फैक्ल्टी एनआईसीएफएस), **सुश्री ईश सिंघल** (एसएसपी हैडक्वार्टर चंडीगढ़), **श्री आत्मा राम लांबा** (डीएसपी पानीपत हरियाणा) तथा **श्री बिनोद नायक** (डीआईजी एसएसबी दिल्ली) ने बैठक भाग लिया। **श्री दिनेश्वर शर्मा** (डायरेक्टर आईबी), **श्री कृष्ण चौधरी** (डीजी/आईटीबीपी) तथा **श्री शरद कुमार** (डीजी/आईएनए) को विशेष तौर पर बैठक में आमंत्रित किया गया। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने बैठक में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तरी क्षेत्र की पुलिस आपसी समन्वय को और मजबूत करने तथा सोशल मीडिया पर फैलनी वाली अफवाहों और बहकावे की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाना बहुत जरूरी है। डीसीपी/एसपी स्तर की नियमित बैठक, संयुक्त मॉक ड्रिल, फिंगर प्रिंट अभिलेख तथा बैठक के स्थान को बदलने पर भी विचार किया गया। बैठक के दौरान आतंक संबंधी सूचनाओं को नियमित रूप से साझा करने, मादक द्रव्य तस्करी, ऑन लाइन ठगी, नकली नोंटो, अवैध हथियारों के सौदागरों, संगीन व घृणित अपराधों की सूचनाओं का आदान–प्रदान करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश व हरियाणा पुलिस से एक एक प्लाटून जवानों को भेजकर दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस में शामिल होने का भी अनुरोध किया।



पुलिस आयुक्त द्वारा नरेला पुलिस कॉलोनी में रियायती कैंटीन का उद्घाटन



14 अक्टूबर, 2016 को **श्री आलोक कुमार वर्मा** पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने बाहरी जिला के नरेला स्थित पुलिस कॉलोनी में एक रियायती कैंटीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **श्री एस.बी.के.सिंह विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था उतरी परिक्षेत्र), श्री.पी.कामराज विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था दक्षिणी परिक्षेत्र), श्री एम.एन.तिवारी उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला** तथा भारी संख्या में पुलिस कॉलोनी में रहने वाले पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि कैंटीन खुलने से पुलिस परिवारों के समय की बचत होगी और वे रियायती दरों पर सामान मिलने से लाभांन्वित होंगे। कैंटीन उद्घाटन के बाद पुलिस आयुक्त ने पुलिस कॉलोनी के निवासियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल की। निवासियों ने सीजीएचएस डिस्पेंसरी, मदर डेयरी बूथ, सफल डेयरी, एक्सिस बैंक एटीएम व परिवहन जैसी समस्याओं से अवगत कराया। पुलिस आयुक्त महोदय ने उन्हें आश्वासन दिया कि इन सब समस्याओं के निदान के लिए संबंधित प्राधिकरणों से आवश्यक पत्र–व्यवहार किया जाएगा। उन्होंने उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला को निर्देश दिया कि सुगम यातायात के लिए दिल्ली परिवहन निगम से सम्पर्क कर इस समस्या का हल निकालने के लिए प्रयास शुरू करें। पुलिस आयुक्त महोदय ने पुलिस कॉलोनी में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कॉलोनी की चारदीवारी बनवाने के बारे भी आश्वासन दिया।



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित ''दीपावली उत्सव मेले'' का हजारों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने लुत्फ उठाया



दीपावली मेले का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त एवं दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की पदाधिकारी



दीपावली मेले में पहुंची सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी को पौधा भेंट करते हुए श्रीमती शेफाली वर्मा, डॉ. सुशी सिंह एवं समिति की अन्य पदाधिकारी



दीपावली मेले में शामिल मुख्य अतिथि, पुलिस आयुक्त, समिति की अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी

(कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों पर एक नज़र)

- 15 अक्टूबर, 2016 की प्रातः **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने किंग्जवे कैम्प स्थित पुलिस मैदान में दो दिवसीय **''दीपावली उत्सव मेले''** का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।
- शाम के समय समारोह में **केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** जी की धर्मपत्नी और समारोह की **मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री सिंह** ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उपस्थित पुलिस अधिकारियों कर्मियों एवं उनके परिजनों को सम्बोधित किया।
- समारोह में **सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, सांसद श्री मनोज तिवारी, उपराज्यपाल जी** की धर्मपत्नी **श्रीमती अमीना जंग, केन्द्रीय मंत्री श्री राजीव प्रताप रूडी** की धर्मपत्नी **श्रीमती नीलम प्रताप रूडी, श्रीमती वेद मारवाह** आदि उपस्थित थीं। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान **सुश्री साक्षी मलिक** भी मेले में दर्शकों के बीच आकर्षण का केन्द्र रही।
- दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा दीपावली मेले के मौके पर शुरू किये गये ''वजीफा'' कार्यक्रम को पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने बहुत सराहा है। वजीफा कार्यक्रम का उद्देश्य कांस्टेबल एवं हैडकांस्टेबलों के परिवारों के दिव्यांग, उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले और राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले जरूरतमंद बच्चों की छात्रवृति के रूप में मदद करना है।
- दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित इस दीपावली उत्सव मेले में समिति की सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण एवं कर्मी तथा उनके परिजन उपस्थित थे।
- दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पुलिसकर्मियों के परिजनों के कल्याणार्थ कार्यों में से दीपावली उत्सव मेला एक विशाल एवं भव्य कार्यक्रम था। जिसमें वजीफा कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केन्द्र बिंदु रहा।
- कार्यक्रम के शुभारंभ पर बाहर से आए प्रसिद्ध कलाकारों एवं पुलिस परिवार से जुड़े बच्चों ने संस्कृति, देशभक्ति और लोकनृत्य से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तुत किये।
- समिति की **अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में **श्रीमती सूचना पटनायक, डॉ0 सुशी सिंह, श्रीमती**

गीता पाठक, श्रीमती सन्तोष कुमारी, श्रीमती संध्या गुप्ता उपाध्याय, श्रीमती अर्चना सिन्हा, श्रीमती प्रिया रंगनाथन, श्रीमती मनीषा भाटिया व श्रीमती शालू सिंह ने मेला आयोजित करने में अहम भूमिका निभाई।

- **डॉ0 सुशी सिंह** द्वारा पूरे कार्यक्रम को दौरान प्रभावशाली एंकरिंग की गई जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।
- **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. पी. उपाध्याय** ने दीपावली उत्सव मेले में नोडल ऑफिसर की भूमिका को बखूबी निभाया।
- इस विशाल कार्यक्रम को एक्सिस बैंक, इंडियन ऑयल, ओएनसीजी, गेल व मारूति सुजुकी जैसे बड़े सार्वजनिक उपक्रम द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- कार्यक्रम के दौरान लक्की ड्रा निकाला गया जिसमें विजेताओं को मारूति कार, स्कूटर, ट्राफी, प्रशंसा पत्र आदि सम्मान स्वरूप भेंट किए।
- **श्री आलोक कुमार वर्मा** द्वारा दिवाली मेले के प्रतिभागी कलाकारों को पुरस्कृत किया गया।
- **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने भी दीपावली उत्सव मेले के आयोजन की प्रशंसा करते हुए समिति की सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।
- **समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा** ने कहा कि भविष्य में समिति का प्रयास रहेगा कि अपनी लम्बी ड्यूटी के चलते परिवार को अधिक समय न दे पाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।
- दीपावली उत्सव मेले में पुलिस परिजनों एवं बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया। बड़े–बड़े झूलों और स्वादिष्ट खाने का लुफ्त उठाया, महिलाओं ने जमकर खरीदारी की।
- प्रसिद्ध गायक **बादशाह** और **दिलबाग** द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम ने मेले में आए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस मौके पर दिल्ली पुलिस के बैंड ने भी मेले में आए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
- बच्चों के बीच रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े कां0 व हैडकां0 के मेधावी व प्रतिभावान बच्चों के लिए छात्रवृति का प्रावधान किया गया।
- पुलिस परिवार से जुड़े बच्चों ने सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये। दीपावली मेले का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं जवानों का अपने परिवारों के साथ हर्षोल्लास के साथ समय बिताना था।
- दीपावली उत्सव मेले में दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चों मौज–मस्ती की और मेले में प्रस्तुत कार्यक्रमों का आनंद लिया।
- गायक **फाजलपुरिया जसबीर सिंह जस्सी, गुरू रंधावा** और हास्य कलाकर **प्रताप फौजदार** जैसे कलाकारों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये।
- स्वयं **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** व समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने मेले में लगे स्टॉल से सामान खरीदने का आंनद उठाया।
- दीपावली उत्सव मेले में पहुंचे करीब 25 से 30 हजार पुलिसकर्मियों एवं परिजनों ने तनावमुक्त होकर एंजाय किया और कार्यक्रम की खूब सराहना करते हुए स्वयं को काफी हल्का महसूस किया।



श्रीमती अमीना जंग, ओलम्पिक पदक विजेता सुश्री साक्षी मलिक एवं मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री सिंह



समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी दिल्ली पुलिस बैंड की धुनों की सराहना करते हुए



मुख्य अतिथि श्रीमती सावित्री सिंह एवं पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा दीपावली मेले की गतिविधियों को देखते हुए।



दीपावली मेले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का लक्की ड्रॉ निकालते हुए अभिनेता एवं सांसद श्री मनोज तिवारी

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा सम्पन्न कराये महत्वपूर्ण कल्याणार्थ एवं रचनात्मक कार्यक्रमों पर एक नज़र



15 व 16 अक्टूबर 2016 को दीपावली मेले की आयोजक दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की वरिष्ठ पदाधिकारीगण, कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता एवं आमंत्रित कलाकार एक साथ मंच पर





दीपावली मेले में आमंत्रित हास्य कलाकार श्री प्रताप फौजदार एवं गायक श्री बादशाह को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा एवं विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के. सिंह तथा दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की वरिष्ठ पदाधिकारीगण



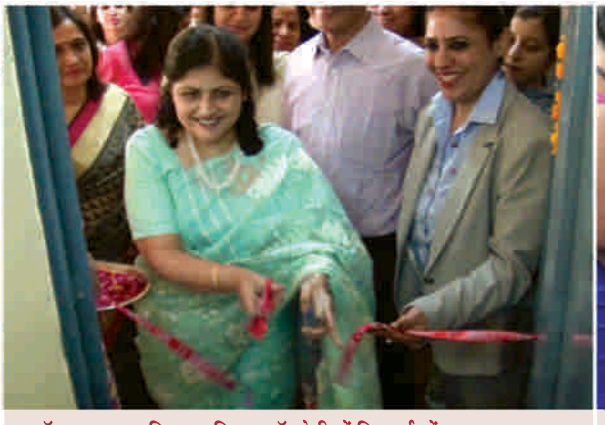
दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित दीपावली मेले में सम्पन्न हुई विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़े हमारे नौनिहाल



पुलिस कॉलोनी द्वारका में पुलिस कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा, डॉ. सुशी सिंह, श्रीमती सूचना पटनायक, श्रीमती सन्तोष कुमारी व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी तथा शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागी



सदर बाजार स्थित पुलिस कॉलोनी अहाता किदारा में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करती हुई श्रीमती शेफाली वर्मा एवं समिति की उपाध्यक्ष डॉ. सुशी सिंह



मॉडल टाऊन स्थित पुलिस कॉलोनी में सिलाई सेंटर का उद्घाटन करते हुए पुलिस कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा



दिल्ली पुलिस की विभिन्न पुलिस कॉलोनियों में वृक्षारोपण के प्रति कॉलोनी वासियों को जागरूक करती हुई समिति की पदाधिकारी



समिति द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राऐं पुलिस आयुक्त एवं समिति की अध्यक्षा के साथ



समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा एवं विकासपुरी पुलिस कॉलोनी के निवासी समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान





दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़ी महिलाएं लोकनृत्य प्रस्तुत करते हुए



17, मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग स्थित पुलिस राजपत्रित अधिकारी मैस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी



पुलिस कॉलोनी शालीमार बाग व मालवीय नगर में 21 दिवसीय जूट बैग उत्पादन के प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा।



उत्तर-पूर्वी जिला में आयोजित एक कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा को एक स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए श्री ऐ.के. सिंघला।







समिति ने दिल्ली पुलिस की विभिन्न कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूक अभियान चलाया। इस दौरान समिति ने कॉलोनियों में डेंगू व चिकनगुनियां जैसी बिमारियों से निपटने के लिए फॉगिंग, साफ-सफाई और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया।





पुलिस कॉलोनी मालवीय नगर, मॉडल टाऊन, द्वारका, नई पुलिस लाईन स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस, विकास पुरी, शालीमार बाग व पीतमपुरा में सुबह व शाम दो पालियों में शराब मुक्ति, पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा व पति- पत्नी के बीच मतभेद को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर कई संस्थाओं के अनुभवी वक्ताओं ने उपरोक्त विषयों पर पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों को परामर्श दिया।



पुलिस कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूक अभियान का शुभारंभ करते हुए समिति की पदाधिकारी



समिति के सदस्यों द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए श्रीमती शेफाली वर्मा





समिति द्वारा दिल्ली पुलिस की विभिन्न पुलिस कॉलोनियों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच कराई



विकास पुरी पुलिस कॉलोनी की महिलाओं एवं बच्चों के साथ दिल्ली पुलिस परिवार की महिला मंडली।



विकासपुरी पुलिस कॉलोनी में कॉलोनी की महिलाओं को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण देते हुए।

शहीद साथियों की याद में शोक परेड आयोजित



स्मारक स्थल पर श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।



शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त

शोक परेड आयोजित: 21 अक्टूबर, 2016 को किग्ज़वे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन मैदान में शहीद साथियों की याद में शोक परेड़ का आयोजन किया गया। हर वर्ष दिल्ली पुलिस 21 अक्टूबर का दिन शहीदी दिवस के रूप में आयोजित करती है।

दिल्ली पुलिस के शहीद 17 पुलिसकर्मी



एएसआई मनोज कुमार
(यातायात)



है.कां. अब्दुल साबिर खान
(उत्तरी जिला)



है.कां. अरविंद कुमार वत्स
(सुरक्षा)



है.कां. ब्रज लाल
(यातायात)



है.कां. हरी किशन
(पश्चिमी जिला)



है.कां. महावीर प्रसाद मीणा
(पश्चिमी जिला)



है.कां. नन्द किशोर
(तृतीय वाहिनी)



है.कां. राजबीर सिंह
(दक्षिण पूर्वी जिला)



है.कां. राम कंवर मीणा
(तृतीय वाहिनी)



कां. मनोज कुमार
(पूर्वी जिला)



कां. आनन्द सिंह
(बाहरी जिला)



कां. अशोक कुमार
(दक्षिण पूर्वी जिला)



कां. बिरेन्द्र सिंह
(दक्षिणी पूर्वी जिला)



कां. दीपक कुमार
(दक्षिणी जिला)



कां. प्रवीन यादव
(बाहरी जिला)



कां. आनन्द कुमार
(स्पेशल ब्रांच)



कां. सुनील कुमार
(उत्तर पूर्वी जिला)



दो मिनट का मौन धारण किये हुए शोक संप्तप्त पुलिस अधिकारीगण

पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस कर्मियों एवं परिजनों को दिवाली की शुभकामनाएँ
निर्धारित समय में पदोन्नति और जिलों में पुलिस मित्र नियुक्त करने की तैयारी।



वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा

फोटो : रोज़र

28 अक्टूबर, 2016 को पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित एक **'दिवाली मिलन'** कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को दिवाली पर्व की शुभकामनाएँ दी। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा माननीय उपराज्यपाल और गृहमंत्रालय से संस्तुति प्राप्त कर ऐसी व्यवस्था की गई है कि भविष्य में पुलिसकर्मियों को निर्धारित समय पर पदोन्नति मिल सके। नई व्यवस्था के तहत 15 वर्ष में कां. से हैडकां. और 25 वर्ष में हैडकां. से एएसआई यानि सेवानिवृत्ति तक कां0 पद पर भर्ती होने वाला एक पुलिसकर्मी कम से कम एएसआई पद से सेवानिवृत्त हो सके। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 4 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को पदोन्नति दी गई और करीब 7 हजार पुलिसकर्मियों की पदोन्नति का काम भी पाइपलाइन में हैं। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने उनके ही मार्गदर्शन में संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री प्रवीर रंजन एवं उपायुक्त पुलिस श्री आर.ए.संजीव द्वारा पदोन्नति व्यवस्था का अध्ययन कर कां. से इंस्पेक्टर पद तक पदोन्नति की संस्तुति हेतु उपराज्यपाल को प्रारूप भेजा गया था। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने दीपावली पर्व पर समस्त पुलिसकर्मियों को भेजे अपने बधाई संदेश में भी कहा है कि उपराज्यपाल को भेजे गये प्रारूप को मंजूरी मिल गई है। निर्धारित समय में दी जाने वाली पदोन्नति की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने पर काम किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त द्वारा पदोन्नति की दिशा में किये गये प्रयासों और सुधारात्मक कार्यो को पुलिस में काफी सराहा जा रहा है। इसके अलावा पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने पुलिस–पब्लिक संबंधों को और बेहतर बनाने हेतु सभी जिलों में **'पुलिस मित्र'** बनाने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अच्छी कानून–व्यवस्था बनाए रखने में समाज की भी अहम भूमिका होती है। जमीनी स्तर पर सफल कानून व्यवस्था के लिए समाज के लोगों की भागीदार की आवश्यकता होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सभी पुलिस उपायुक्तों को निर्देश दिये गये हैं कि अपने–अपने क्षेत्र में रहने वाले योग्य, उत्सुक और साफ छवि वाले लोगों को पुलिस मित्र बनाए और उन्हें पुलिस कार्यशैली में शामिल करें। पुलिस मित्र बनने के लिए इच्छुक दिल्लीवासी की आयु 18 वर्ष से अधिक होने के साथ उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस मित्र बनने से पुलिस आम लोगों की मदद से अपराध पर लगाम लगाने, अपराधियों के बारे में सूचनाएँ एकत्रित करने, कानून–व्यस्था बनाए रखने में मदद मिलने और स्थानीय नागरिकों के साथ अच्छे रिश्ते स्थापित करने में मदद मिलेगी।



पुलिसकर्मियों से रूबरू होते हुए पुलिस आयुक्त

दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2016–17 के दौरान 10 लाख बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का लक्ष्य रखा



दिल्ली यातायात पुलिस ने वर्ष 2016–17 के दौरान दिल्ली के विभिन्न विद्यायलों के लगभग 10 लाख बच्चों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने का लक्ष्य रखा हैं 6 अक्टूबर, 2016 को आईआईटी हौजखास के डोगरा हॉल में दिल्ली यातायात पुलिस ने **''स्कूल रोड़ सेफ्टी अवयेरनेस कैंपेन''** कार्यक्रम आयोजित किया। इस अभियान का **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर **श्री एस.बी.के.सिंह (वि.पु.आ. कानून– यवस्था उत्तरी परिक्षेत्र) श्री पी. कामराज (वि.पु.आ. कानून–व्यवस्था दक्षिणी परिक्षेत्र), श्री संदीप गोयल (वि.पु.आ. यातायात), श्रीमती गरिमा भटनागर संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात), श्री विजय सिंह उपायुक्त पुलिस (यातायात), आईआईटी के निदेशक प्रो. वी.रामगोपाल राव**, विभिन्न 400 स्कूलों के प्रिंसिपल, अध्यापकगण एवं भारी संख्या में यातायात पुलिस के पुलिसकर्मी एवं स्कूलों के बच्चे उपस्थित थे।



इस मौके पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए **श्री आलोक कुमार वर्मा पुलिस आयुक्त,** दिल्ली ने कहा कि बच्चों को बचपन में ही अच्छे संस्कार, अच्छी आदतें और अच्छा व्यवहार सिखाना चाहिए। मेरा मानना है कि बच्चें में अच्छे व्यवहार के लक्षण होने के साथ–साथ उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना बहुत जरूरी होता है। यदि बच्चे बचपन में ही सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन के प्रति जागरूक होंगे तो निःसंदेह बड़े होकर कानून का भी पालन करेंगे और एक सभ्य व जिम्मेवार नागरिक बनेंगे।इस मौके पर उन्होंने मौजूद प्रिंसिपल व अध्यापकों का आहवान किया कि दिल्ली यातायात पुलिस के इस अभियान में आप भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान **वि.पु.आ (यातायात) श्री संदीप गोयल, सं.पु.आ. (यातायात) श्रीमती गरिमा भटनागर एवं अति.उपा.पु. (दक्षिणी जिला) श्रीमती नुपूर प्रसाद** ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन न केवल स्वयं का बल्कि दूसरे निर्दोष लोगों का जीवन भी सुरक्षित करता है। इसीलिए हर नागरिक को यातायात नियमों का दृढ़ता से पालन करना चाहिए। इस मौके पर बताया गया कि दिल्ली के लगभग 850 स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 10 लाख छात्र/छात्राओं को व्याख्यान, संवाद, पेंटिंग,परिचर्चा व क्विज कंपटीशन के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को प्रायोजित करने में इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, हीरो, होंडा मोटर एसआईएएम, जुबिलिएट फुडवर्क्स की भी भागीदारी रही। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने नागरिकों की **साइबर सुरक्षा, सामान्य सुरक्षा एवं यातायात सुरक्षा से सम्बंधित बिन्दुओं** पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट सामाजिक संबंधों, खरीद–फरोख्त, मनोरंजन एवं आराम दायक जीवनशैली का अहम हिस्सा बन गया है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि हमें इसके दुष्प्रभावों से स्वयं को और अपने बच्चों को कैसे दूर रखें। आजकल ऑनलाईन हो रही धोखाधड़ी की काफी शिकायतें मिल रही हैं। एक पुलिस अधिकारी होने के नाते मैं सलाह देना चाहूंगा कि अपने बच्चों को अविश्वसीनय साईटों/लिंक तक पहुँचने से बचाना चाहिए। अजनबियों से मित्रता का अनुरोध न स्वीकारनें, अपना पासवर्ड किसी से साझा न करने व किसी साइबर अपराध के बारे में पुलिस को तत्काल सूचित करने पर ध्यान देना चाहिए। इंटरनेट से जुड़ने से पहले हमें एक बार रूककर सोचविचार कर लेना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो निःसंदेह इंटरनेट के दुष्परिणामों से बच सकते हैं। यदि कोई गलत बात हम इंटरनेट पर डाल देते हैं तो निःसंदेह उसका हटाना नामुमकिन है, जो हमेशा के लिए हमारे लिए हानिकारक सिद्ध होता है। सामान्य सुरक्षा के तहत हमें अपने छोटे बच्चों को अच्छे बुरे स्पर्श के बारे में, अनुचित इशारों के बारे में, अजनबियों से उपहार स्वीकार न करने के बारे में और अपने माता–पिता/शिक्षकों को अपने अप्रिय अनुभव साझा करने के प्रति जागरूक व प्रेरित करते रहना चाहिए। इसी तरह सड़क सुरक्षा के बारे में भी आजकल प्रारंभ से ही बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक व उनके अनुपालन के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। किशोर अवस्था से ही बच्चों को एक सभ्य व जिम्मेवार नागरिक बनने के साथ–साथ यातायात नियमों के पालन की आदत भी डालनी चाहिए। अच्छी आदतें बचपन में ही आत्मसाथ होने पर अपने दायित्व का अहसास दूसरों के अधिकारों का सम्मान, सहनशीलता व समाज के प्रति सकारात्मक सोच को उत्पन्न करता है।

अच्छी तफ्तीश

चर्चित दुल्हन मेकअप आर्टिस्ट की सनसनीखेज अपहरण की वारदात की सुलझाने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने सम्मानित किया



अक्टूबर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने पश्चिमी जिला के एसीपी सोमेन्द्र पाल त्यागी, एसीपी श्री पंकज सूद, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह राठी, इंस्पेक्टर रिछपाल सिंह, इंस्पेक्टर संजय नरवाल, इंस्पेक्टर नरेश हुड्डा, एसआई संदीप डबास, एसआई चरण सिंह, एसआई लक्ष्मण, एसआई मनोहर, एएसआई भवनेश एएसआई ईश्वर, हैडकां0 विजेन्द्र, हैडकां0 शशि कांत, हैडकां0 शिवशंकर, हैडकां0 सनेज, कां0 भरत, ब्रिजेश, विकांत, अमरजीत व सत्यनारायण की टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर उनकी पेशेवर निपुणता, कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा और अच्छी सूझबूझ के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, उपायुक्त पुलिस विजय सिंह व टीम के सदस्य उपस्थित थे। इस पुलिस टीम ने 20 अक्टूबर, 2016 को जनकपुरी में एक प्रसिद्ध ब्यूटी पार्लर चलाने वाले आर्टिस्टि अभिषेक के सनसनीखेज अपहरण का मामला सुलझाते हुए लखनऊ जोन की एसटीएफ टीम की मदद से न केवल बदमाशों को गिरफ्तार किया बल्कि अपहृत अभिषेक को भी सकुशल रिहा करनो में उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी।

स्कूली बच्चों एवं अध्यापिकाओं को सकुशल बचाने वाले पीसीआर, ट्रैफिक व दक्षिण-पूर्वी जिला के पुलिसकर्मी सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने 4 सितम्बर, 2016 को अपने कार्यालय में पीसीआर, ट्रैफिक एवं दक्षिण–पूर्वी जिला पुलिस में तैनात कुछ साहसी, कर्तव्यनिष्ठ और अपने पेशे के प्रति समर्पित पुलिसकर्मियों के काम की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी। 31 अगस्त, 2016 की प्रातः एम.बी.रोड. पर पुल प्रहलादपुर के निकट अंडरपास के पास जल भराव के चलते एक स्कूल बस पानी में फंस गई थी। उस समय तेज वर्षा के कारण भारी ट्रैफिक जाम था और बस में 2 महिला अध्यापिकाओं के साथ–साथ 70 स्कूली बच्चे सवार थे। अध्यापिकाओं द्वारा मदद की गुहार करने में पीसीआर, ट्रैफिक और दक्षिण–पूर्वी जिले के पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी बच्चों को सकुशल बाहर निकालने में सफलता हासिल की। इस अवसर पर तीनों यूनिटों के पुलिसकर्मियों के अलावा विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.पी. उपाध्याय, उपायुक्त पुलिस श्री मनदीप सिंह रंधावा व उपायुक्त पुलिस डॉ. आर.के बंसल भी उपस्थित थे।

कार लूट कर भाग रहे बदमाशों के साथ हुई फायरिंग में डटकर बदमाशों का मुकाबला करने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त ने शाबाशी दी।



7 अक्टूबर, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने बाहरी जिले के स्पेशल स्टाफ में तैनात पुलिसकर्मियों को उत्तम नगर इलाके से कार लूट कर भाग रहे बदमाशों को घेरने और कार को बहादुरगढ़ इलाके से बरामद करने में त्वरित कार्रवाही करने वाले पुलिसकर्मियों को मुबारकबाद दी और उनकी काम की सराहना की। 28 सितम्बर, 2016 की प्रातः सूचना मिली थी कि कुछ बदमाशों ने उत्तम नगर इलाके एक कार लूट ली और बाहरी दिल्ली की तरफ भाग गये हैं। थाना कंझावला इलाके में हैडकां0 विक्रम ने उस कार को रोकने का प्रयास किया तो कार सवार बदमाशों ने उस पर गोलियाँ चलानी शुरू कर दी। हैडकां0 विक्रम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इसी बीच टीम के और सदस्य भी मौके पर पहुंच गये। लूटी गई कार मौके पर रूकने के बजाय मौके से भाग गई। इसी पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति गोली लगने पर एम्बुलेंस द्वारा बाबा साहिब अम्बेडकर अस्पताल लाया गया है जहां डॉ. ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान पाया कि मृतक अभिषेक उसी कार में सवार था जिसमें से हैडकां. विक्रम पर गोली चलाई गई थी।

अच्छी कामयाबी

प्रापर्टी डीलर के यहां डकैती डालने वाले बदमाशों को दबोचने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने भी प्रोत्साहित किया।



एसीपी सुलतानपुरी श्री डर्डे शरद भास्कर के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष सुलतानपुरी अशोक कुमार की टीम एसआई दिनेश दहिया, एसआई विकास, एसआई प्रमोद, एसआई अमित, एसआई पुनीत, एएसआई ऋषिकेश, हैडकां0 बलवंत, हैडकां सत्यवान, कां0 अशोक ,कां0 रवीन्द्र, कां0 रवि, कां0 प्रतीक,कां0 मुनेष, कां0 अरविन्द, कां0 प्रदीप, कां0 राजेश तथा कां0 कर्मपाल ने एक मुठभेड़ के बाद 5 कुख्यात एवं खूंखार बदमाशों को दबोचने में शानदार सफलता हासिल की। पकड़े गये बदमाश सैक्टर–24 रोहिणी में एक प्रापर्टी डीलर के यहां किसी बड़ी डील की जानकारी मिलने पर डकैती डालने के उद्देश्य से जा रहे थे। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने टीम के सभी सदस्यों के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय सिंह, उपायुक्त श्री विक्रम जीत सिंह सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

25 करोड़ की फिरौती के लिए अपहृत डॉ0 को सकुशल मुक्त कराने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने दक्षिण–पूर्वी जिला के उपा.पुलिस श्री मंदीप सिंह रंधावा, अति. उपा.पुलिस श्री राजीव रंजन सिंह, अति उपा.पुलिस श्री हर्षवर्धन इंस्पेक्टर नरेश कुमार, इंस्पेक्टर जरनैल सिंह, इंस्पेक्टर राम सहाय, एसआई जितेन्द्र मलिक, एसआई मनमीत सिंह, एसआई संदीप गोदरा, एसआई ललित तथा एसआई प्रवेश तथा स्पेशल सेल के एसीपी श्री सतबीर सिंह डागर, इंस्पेक्टर मनोज दीक्षित व इंस्पेक्टर शिवकुमार व टीम के अन्य सदस्यों को एक सनसनीखेज अपहरण की वारदात को सुलझाने पर हार्दिक शुभकामनायें दी। 12.09.2016 की रात सौरभ विहार, जैतपुर में मेडिकल सेंटर चलाने वाले डॉ0 विनोद कुमार वर्मा व उसके कम्पांउडर अजय का कार से जाते समय कुछ बदमाशो ने अपहरण लिया था। अपहरणकर्ता डॉ. को एटा ले गये और वहां निकट के गांव के गन्ने के खतों में बांध दिया। बदमाश समय समय पर डॉ. विनोद कोई नशीला इंजेक्शन देते रहते थे। इस संबंध में थाना जैतपुर में अपहरण का मामला दर्ज हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन किया गया। अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित उपरोक्त पुलिसकर्मियों की टीम ने लगातार कई दिनों तक इलेक्ट्रानिक सर्विलांस, अपहरण की परिस्थितियों, पीड़ित परिवार से पिछली जानकारी हासिल करते हुए इस अपराध के दोषियों के बारे में जानकारी हासिल करने में कामयाब हुई।

65 लाख की दिन-दहाड़े हुई सनसनीखेज लूट की वारदात सलुझाने वाली अपराध शाखा की टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित।



7 अक्टूबर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार** ने **अति.आ.पु. श्री के.के.व्यास** के मार्गदर्शन और **उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** के नेतृत्व में काम करने वाली एसीपी श्री एन.के.मीणा की टीम इंस्पेक्टर आशीष कुमार दुबे, इंस्पेक्टर पंकज कुमार ,एसआई विनित, एएसआई अजीत, अजय, हैडकां. जितेन्द्र, राजीव, प्रवीण राकेश, विपिन, शाहिर खान, सुधीर,जोगेन्द्र, अनिल, दिनेश, राजबीर तथा कां0 प्रवीण, निशांत, अंकित, सूर्यप्रकाश, घनश्याम व अनिल को उनकी बहादुरी और अच्छी सूझबूझ के लिए सम्मानित किया है। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह भी उपस्थित थे। 29 सितम्बर, 2016 को लॉयन टैक्सटाइल के दो कर्मचारियों श्री श्याम बाबू एवं श्री अनिल कुमार झा से चार मोटरसाइकिल सवारों ने गन प्वांइट पर 65 लाख रुपये उस समय लूट लिये थे जब ये दोनों कर्मी रकम बैंक में जमा कराने जा रहे थे। अपराध शाखा के इंस्पेक्टर आशीष कुमार व इंस्पेक्टर पंकज अरोड़ा को इस वारदात में संलिप्त बदमाशों के बारे में कुछ सुराग मिला। पुलिस टीम ने पुख्ता सबूतों के आधार पर मैट्रो स्टेशन शास्त्री पार्क के निकट से एक ऐसे बदमाश को दबोचने में सफलता मिली जिसने गांधी नगर इलाके में हुई इस लूट की वारदात से मिली रकम से नई मोटरसाइकिल खरीदी थी। पुलिस टीम ने पूछताछ कर तत्काल उसके अन्य साथियों को बागपत आदि से गिरफ्तार करते हुए लूटी गई रकम में से करीब 22 लाख रुपये बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की।

विशेष शाखा द्वारा अपने पूर्व साथियों के सम्मान में अभिनन्दन समारोह आयोजित



26 अक्टूबर, 2016 को विशेष शाखा ने अपनी शाखा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मियों के सम्मान में एक अभिनन्दन समारोह आयोजित किया। इस अभिनन्दन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने विशेष शाखा को बेहतरीन और उन्नत बनाने में अपना अमूल्य मार्गदर्शन, कार्यनिष्ठा और बेहतरीन सहयोग देने वाले वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों का स्वागत किया। विशेष शाखा द्वारा आयोजित किए गए अभिनन्दन समारोह की प्रशंसा करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि ऐसे समारोह से हमें अपने अनुभवी अधिकारियों और कर्मियों के साथ न केवल मिलकर खुशी होती है बल्कि उनसे इस शाखा को और बेहतर बनाने के मूलमंत्र भी प्राप्त होते हैं। इस कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त श्री बालाजी श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस श्री रजनीश कुमार गुप्ता एवं भूतपूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री एस. रामाकृष्णन, श्री बी.एस. बरार व श्री जगजीत सिंह देसवाल के अलावा काफी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

श्रद्धांजलि

जुलाई व अगस्त, 2016 माह के दौरान 43 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान ही विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भाव–भीनी श्रद्धांजलि देता है और उनके आश्रितों के प्रति अपनी संवदेना प्रकट करता है। **जुलाई माह में दिवंगत पुलिसकर्मी:** एसआई वीर सिंह, हैडकां0 बलवान सिंह, हैडकां0 राकेश्वर त्यागी, कां0 रोहताश डबास, कां0 रणधीर सिंह **(सुरक्षा शाखा)**, एसआई संतोष कुमार झा **(आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)**, एसआई श्रीकृष्ण **(विशेष शाखा)**, कां0 दीपक बिष्ट **(दक्षिण–पूर्वी जिला)** हैडकां0 जयभगवान **(5वीं वाहिनी)**, हैडकां0 लाल बहादुर **(7वीं वाहिनी)**, हैडकां0 कजोर मल **(चौथी वाहिनी)**, एसआई प्रद्युमन शर्मा व एएसआई लूक्योस वाई **(संचार शाखा)**, एसआई एसआई अश्वनी कुमार, हैडकां0 आनंद सिंह व महिला कां0 गोविन्दी त्रिपाठी **(बाहरी जिला)**, हैडकां0 महेशचंद व कां0 बद्री प्रसाद **(दक्षिणी जिला)**, एएसआई घनश्याम व हैडकां0 महिपाल सिंह **(पीसीआर)**, कां0 प्रताप सिंह **(ट्रैफिक)**, कां0 सुमित कुमार व एमटीएस चन्दर पाल **(पश्चिमी जिला)**, कां0 सुरेन्द्र कुमार **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, कां0 अजय कुमार व एमटीएस महेश कुमार **(पूर्वी जिला)**, एमटीएस धर्म सिंह **(दक्षिण–पश्चिमी जिला) अगस्त माह में दिवंगत पुलिसकर्मी:** एसआई ओमप्रकाश व एएसआई मिश्री लाल (सुरक्षा), एसआई सोहन सिंह हैडकां0 संजय प्रसाद **(संचार शाखा)**, एसआई उदयवीर सिंह **(उत्तरी जिला)**, एएसआई बिजेन्द्र कुमार **(पीसीआर)**, हैडकां0 नरेशपाल **(विशेष शाखा)**, हैडकां0 सुशील कुमार व कां0 आनंद सिंह **(बाहरी जिला)**, कां0 राजकंवर **(आईजीआईएयरपोर्ट)**, कां0 शिवनारायण **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, प्रशिक्षु कां0 सोनू (पीटीसी), कां0 विनोद कुमार **(उत्तर पश्चिमी जिला)**, कां0 अजमेदर सोमजी **(नई दिल्ली)** तथा कां0 सतेन्द्र **(पीएंडएल)**।

शुभकामनाऐं

जून–जुलाई माह 2016 के दौरान 234 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। इनमें से 12 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और उनकी दीर्घायु की कामना करता है। **जून माह में सेवानिवृत पुलिसकर्मी:**– एसआई चंदगी राम, एसआई रोहताश कुमार, हैडकां0 बाबूराम, हैडकां शंकर लाल, हैडकां0 धर्मपाल (ट्रैफिक), एएसआई राजीव त्यागी (चौथी वाहिनी), एएसआई चन्दर सिंह, हैडकां0 धर्म सिंह व कां0 जगबीर सिंह (बाहरी जिला), इंस्पेक्टर जैमल सिंह, इंस्पेक्टर जरनैल सिंह, एसआई इन्दरेश, एसआई सुलतान सिंह, एसआई ओमप्रकाश, एसआई बलवान सिंह, एसआई जवाहर सिंह, एएसआई कृष्ण पाल, एएसआई कांता प्रसाद, एएसआई प्रभुदयाल, एएसआई विरेन्द्र सिंह, एएसआई संसारी लाल, एएसआई कृपाल सिंह, एएसआई जोगीराम, एएसआई राजवीर सिंह, एएसआई अशोक कुमार, एएसआई इन्दर सिंह, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई सुरेश खत्री, एएसआई तेजपाल सिंह, एएसआई सुभाष चंद, हैडकां0 महावीर सिंह, कां0 सुजीत जैकब (पीसीआर)। एसआई बलबीर सिंह, एसआई कन्हैया लाल व एसआई बुदूंखान (उत्तर–पश्चिमी जिला), एएसआई जयंति प्रसाद शर्मा, एएसआई रसूल अहमद, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई मोहम्मद अली, एएसआई धर्मबीर (दक्षिणी जिला), एएसआई लक्ष्मण राय (राष्ट्रपति भवन), एसआई राजबीर सिंह व एएसआई धारा सिंह (सातवीं वाहिनी), इंस्पेक्टर नरेश कुमार, कां0 लाटूर सिंह व कां0 मनोज कुमार (द्वितीय वाहिनी), इंस्पेक्टर गीता राम, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई सुरेन्द्र सिंह ,एसआई धर्मपाल, एएसआई सतबीर सिंह (पीटीसी), एसआई अमर नाथ, एसआई केहर सिंह व एसआई गुरदीप सिंह (एफआरआरओ), एएसआई शुभकरण, एएसआई ओमप्रकाश, हैडकां0 झमन सिंह, (तृतीय वाहिनी), हैडकां0 राजेश कुमार (पांचवी वाहिनी), एसआई वेदप्रकाश, एसआई रविदत्त शर्म, एएसआई रणधीर सिंह,एएसआई रामदिया व एमटीएस विलेश देवी (पश्चिमी जिला), एसआई गुलशन राय, एसआई इकबाल अली, एसआई सुखराम व एसआई

यशपाल सिंह (विशेष शाखा), एसआई लालू राम, एसआई गजे सिह, एसआई नरेश चंदर व एएसआई महेन्द्र सिंह (दक्षिण–पश्चिमी), एसआई बिजेन्द्र सिंह, एसआई मुबारक अली, एसआई चन्दर पाल सिंह व एमटीएस बब्बो देवी (मध्य जिला), एसआई शंकर लाल, एसआई महाबीर सिंह, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई प्रताप सिंह, एएसआई राम बाबू, हैडकां0 रोहताश कुमार, हैडकां0 भगवत सिंह, एमटीएस असगर अली (पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर गीता कलसी, एसआई यादराम एसआई अजीत सिंह व एएसआई गिरवर सिह (दक्षिण–पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर ब्रिज पाल सिंह, एसआई राजेन्द्र प्रसाद, एसआई जगबीर सिंह, एसआई मंजूर हासा,एएसआई महेन्द्र सिंह, एएसआई हरबीर सिंह हैडकां0 बालेश्वर सिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), एसआई राजबीर सिंह, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई सुरेश चंद, एसआई सतबीर सिंह, एसआई मोहम्मद हासम, एसआई लूरूकू ऑरन, एएसआई ओमपाल सिंह, एएसआई ब्रहम प्रकाश, एएसआई गोविन्द राम, एएसआई शिवराज सिंह, एएसआई सुबे सिंह, हैडकां0 ऋषिपाल, हैडकां0 प्रेमपाल सिंह, हैडकां0 ईश्वर सिंह, हैडकां0 श्री नारायण, कां0 जगजीत सिंह, एसआई जसविन्दर सिंह, एएसआई राजा राम व एएसआई रामेश्वर लाल (सुरक्षा शाखा), एसआई रवीन्द्र कुमार व एएसआई जितेन्द्र कुमार (अपराध शाखा), एसआई विरेन्द्र सिंह, एएसआई अशोक कुमार, एएसआई उत्तम दास, एमटीएस सुरेश कुमार, एएसआई राजबीर सिंह,एएसआई देव प्रकाश, एएसआई शफी उल्ला खान (पीएंडएल) एएसआई ओमप्रकाश व हैडकां0 राजवीर सिंह (उत्तरी जिला)। **जुलाई माह में सेवानिवृत पुलिसकर्मी**:– इंस्पेक्टर कृष्ण पाल, एमटीएस सरला शर्मा व एमटीएस राजेन्द्र प्रसाद (पुलिस मुख्यालय), एसआई महाबीर प्रसाद, एएसआई जयभगवान, एएसआई दलेल सिंह व एएसआई भाग सिंह (बाहरी जिला), एसआई जयकुमार, एसआई फूल सिंह, एसआई ओमप्रकाश, एसआई राम कुमार, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई मोहम्मद हुसैन, एसआई ओमप्रकाश, एएसआई ब्रहमानंद, एएसआई सुन्दर सिंह, एएसआई कृष्ण कुमार, एएसआई करतार सिंह, हैडकां. राहत अली, हैडकां0 सोहन पाल, एएसआई सुभाष चंद (पीसीआर), एएसआई रणबीर सिंह (महिला अपराध प्रकोष्ठ), एसआई राजबीर सिंह (चौथी वाहिनी), एसआई बलजीत सिंह, एसआई वेदप्रकाश, एएसआई राजेन्द्र एमटीएस बलबीर सिंह (उत्तर –पश्चिमी जिला), एसआई सतपाल सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह एसआई रमेशचन्द्र ,एएसआई गजेन्द्र सिंह हैडकां महेन्द्र सिंह, हैडकां0 राजेन्द्र सिंह तथा एमटीएस राजबाला (मध्य जिला), एसआई बिजेन्द्र सिंह (राष्ट्रपति भवन) ,एसआई पदम सिंह (पश्चिमी जिला), एसआई ओमबीर सिंह, एसआई सतबीर सिंह, एसआई गुरमुख सिंह, एसआई गोपाल दत्त (एफआरआरओ), एसआई शिव सिंह एसआई देवी दयाल मीणा, एसआई ज्ञानचंद, हैडकां0 जगदीश प्रसाद (दक्षिणी जिला), एसआई महाबीर प्रसाद, एएसआई जयभगवान, एसआई दलेल सिंह, एएसआई भाग सिंह, (बाहरी जिला), एसआई महेन्द्र पाल (प्रथम वाहिनी), एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई चन्दर पाल, एसआई रफी अहमद खान, हैडकां0 धर्मपाल मीणा (विशेष शाखा), हैडकां0 चंदन सिंह (मैट्रो) एसआई जयप्रकाश, हैडकां0 प्रेमसिंह (द्वितीय वाहिनी), एसआई विजय कुमार जैन, एसआई उत्तम सिंह, रसोईया बंसती देवी (दक्षिण–पूर्वी जिला), एसआई हुसैन अली, एसआई देवस्वरूप, हैडकां0 गणेश बहादुर, हैडकां राजबीर सिंह (सातवी वाहिनी), एमटीएस विश्वनी प्रसाद (दक्षिण–पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर शिव कुमार व एसआई सरदार सिंह (पीटीसी) इंस्पेक्टर गिरब्रट लाकरा, इंस्पेक्टर रघुबीर सिंह, एसआई बलवेन्द्र सिंह, एसआई दुर्गा प्रसाद (संचार शाखा), एसआई देवेन्द्र सिंह, एसआई धर्मपाल सिंह, एसआई हजारी लाल, एसआई रणबीर सिंह, एसआई जोध सिंह, एसआई सुरेन्द्र पाल सिंह, एसआई वीर सैन, एसआई जयपाल सिंह, एसआई तेजराम शर्मा एसआई ओमप्रकाश, एसआई प्रेम सिंह, एसआई रमेशर एएसआई कैन्हया लाल, एएसआई राजकुमार ओझा, एएसआई महाबीर सिंह (सुरक्षा), एसआई विजेन्द्र सिंह, एसआई सुरेन्द्र सिंह (यातायात), हैडकां0 दलेल सिंह (पीएंडएल), एसआई देशराज सिंह,एसआई जयपाल सिंह, एएसआई करतार सिंह पटियाल तथा एमटीएस शालादेवी (उत्तर–पूर्वी जिला), एसआई धर्म सिंह, एसआई सज्जन कुमार (छट्टी वाहिनी) एसआई हेमचन्दर व एएसआई जयप्रकाश (उत्तरी जिला), एसआई मोहम्मद हसन व हैडकां0 जयप्रकाश (पूर्वी जिला), एएसआई प्रमेश कुमार (पांचवी वाहिनी), एसआई धुव्र नारायण, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई अमरचंद तथा एएसआई नाथूराम (नई दिल्ली जिला)।

कृतज्ञ राष्ट्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद किया

31 अक्टूबर 2016 को राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस सम्बंध में इंडिया गेट पर एकता दौड़ आयोजित की गई। इस एकता दौड़ में दिल्ली पुलिस के अधिकारी एवं जवानों ने भी भाग लिया तथा आयोजित परेड़ में दिल्ली पुलिस की टुकड़ी ने भी हिस्स लिया।



इंडिया गेट पर एकता दौड़ समाप्ति के बाद दिल्ली पुलिस बैंड का अभिवादन स्वीकार करते हुए पुलिस आयुक्त

शहीदों को श्रद्धांजलि देने लद्दाख पहुंचे एएसआई रविन्द्र कुमार



संचार शाखा में तैनात एएसआई रविन्द्र कुमार ने लद्दाख (जेएडंके) स्थित हॉट स्प्रिंग्स शहीद स्मारक स्थल पर दिल्ली पुलिस की ओर से शहीदों को श्रद्धाजंलि अर्पित की। वर्ष 1960 में दिल्ली में हुई आईजीपी की कांफ्रेंस में निर्णय लिया गया था कि 21 अक्टूबर, 1959 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए 10 शहीद पुलिसर्मियों की याद में हर वर्ष सभी अर्धसैनिक संगठनों और बलों की तरफ से शहीदों को श्रद्धाजंलि अर्पित की जाएगी। संचार शाखा में तैनात एएसआई रविन्द्र कुमार (मिनिस्ट्रीयल) के लिए यह गर्व और सम्मान की बात रही कि इस वर्ष हॉट स्प्रिंग्स पर जाने वाली वार्षिक पुलिस टीम में उनका चयन हुआ। एएसआई रविन्द्र कुमार ने भी इस कर्तव्य को पूरी निष्ठा व आदर भाव से निभाया और सम्पूर्ण दिल्ली पुलिस की तरफ से शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

147 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों की अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस में भर्ती

दिल्ली पुलिस प्रशासन ने एक और कल्याणकारी कदम उठाते हुए अपने 147 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को दिल्ली पुलिस में अनुकम्पा के आधार पर भर्ती किया है। अनुकम्पा के आधार पर भर्ती होने वालों में 14 हैड कांस्टेबल (मिनिस्ट्रीयल), 95 पुरूष एग्ज़ीक्यूटिव कांस्टेबल, 21 महिला एग्ज़ीक्यूटिव कार्यकारी कांस्टेबल तथा 17 कांस्टेबल ड्राइवर शामिल हैं।

30 सितम्बर व 31 अक्टूबर 2016 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री आजाद सिंह (यातायात)



एसीपी श्री धर्मेन्द्र कुमार (सर्तकता)



एसीपी श्री अरविंद कुमार (सुरक्षा)



एसीपी श्री शीलनिधि (स्पेशल सेल)



एसीपी श्री देवेन्द्र पाल सिंह (यातायात)



एसीपी श्री सुरेन्द्र सिंह (नई दिल्ली)



एसीपी श्री राजबीर सिंह (छठी वाहिनी)



एसीपी श्री बलतेज सिंह मलिक (बाहरी जिला)



एसीपी श्री हरिसिंह रावत (मुख्यालय)



एसीपी श्री सुरेन्द्र कुमार आहुजा (मुख्यालय)

आईएएस परीक्षा में चयनित दिल्ली की महिलाओं की पुलिस आयुक्त से शिष्टाचार भेंट



28 अक्टूबर 2016 को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) परीक्षा में चयनित दिल्ली की महिलाओं ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा से शिष्टाचार भेंट की चयनित महिलाओं में एक दिव्यांग महिला भी शामिल थी। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने प्रशासिनक सेवाओं में चयनित हुई महिलाओं को उनके सफल सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दी। इसमें सबसे बड़ी खुशी की बात यह भी थी कि इन प्रशासनिक अधिकारियों में दिल्ली पुलिस के एएसआई हरिराम की सुपुत्री सुश्री वंदना राव (दायें से दूसरी) भी शामिल थी।

साउथ अफ्रिकन प्रतिनिधिमंडल की पुलिस आयुक्त से शिष्टाचार भेंट





14 सितम्बर, 2016 को एक साउथ अफ्रिकन प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा से भेंट की। 12 सदस्यीय साउथ अफ्रिकन मंत्री परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस आयुक्त दिल्ली, दिल्ली पुलिस की कार्यशैली एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्था के बारे में विचार-विमर्श किया। इस मौके पर अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन उपायुक्त पुलिस (सामान्य प्रशासन)
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक